C. S. (Main) Exam : 2011

Sl. No.

B–DTN–L–JSA

POLITICAL SCIENCE AND INTERNATIONAL RELATIONS

Paper—I

Time Allowed : Three Hours	Maximum Marks : 300

INSTRUCTIONS

Each question is printed both in Hindi and in English.

Answers must be written in the medium specified in the Admission Certificate issued to you, which must be stated clearly on the cover of the answer-book in the space provided for the purpose. No marks will be given for the answers written in a medium other than that specified in the Admission Certificate.

Candidates should attempt Question Nos. ***1*** *and* ***5*** *which are compulsory, and any* ***three*** *of the remaining questions selecting at least* ***one*** *question from each Section.*

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

ध्यान दें : अनुदेशों का हिन्दी रूपान्तर इस प्रश्न-पत्र के पिछले पृष्ठ पर छपा है।

Section—A

1. Comment on the following in about *150* words each : 15×4=60

(a) "The State is a creation of nature and man is by nature a political animal." (*Aristotle*)

(b) "The worth of a State ... is the worth of individuals composing it." (*J. S. Mill*)

(c) Hobbes as an individualist

(d) Views of Gandhi and Ambedkar on 'social justice'

2. *(a)* Make an assessment of the post-colonial understanding of State. 30

(b) Examine the significance of the behavioural revolution in politics. 30

3. *(a)* It is said where there is no law there is no liberty. Give your views on this statement. 30

(b) Examine the debate on the 'End of Ideology'. 30

4. *(a)* Attempt a comparative examination of the views of Marx and Weber on 'Power'. 30

(b) Examine the 'Participatory Model of Democracy'. 30

खण्ड—क

1. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिये, जो प्रत्येक लगभग *150* शब्दों में हो : 15×4=60

(क) "राज्य प्रकृति की कृति है और मनुष्य प्रकृति से एक राजनीतिक प्राणी है।" (*अरस्तू*)

(ख) "राज्य का महत्त्व ... उसे संघटित करने वाले व्यक्तियों का महत्त्व है।" (*जे० एस० मिल*)

(ग) एक व्यक्तिवादी के रूप में हॉब्स

(घ) 'सामाजिक न्याय' पर गाँधी और अम्बेदकर के विचार

2. (क) राज्य की उत्तर-उपनिवेशी व्याख्या का मूल्यांकन कीजिये। 30

(ख) राजनीति में व्यवहारवादी क्रान्ति के महत्त्व का परीक्षण कीजिये। 30

3. (क) कहा जाता है कि जहाँ कानून नहीं है वहाँ स्वतंत्रता नहीं है। इस कथन पर अपना मत व्यक्त कीजिये। 30

(ख) 'विचारधारा का अन्त' पर होने वाले विमर्श का परीक्षण कीजिये। 30

4. (क) मार्क्स और वेबर के 'शक्ति' सम्बन्धी विचारों का तुलनात्मक परीक्षण कीजिये। 30

(ख) 'जनतंत्र के सहभागी प्रतिमान' का परीक्षण कीजिये। 30

Section—B

5. Comment on the following in about *150* words each : 15×4=60

(a) Dalit perspective on Indian National Movement

(b) Significance of the Civil Disobedience Movement

(c) Role of National Commission for Scheduled Castes

(d) Trade unions as pressure group in Indian politics

6. *(a)* Examine the significance of the Directive Principles of State Policy in achieving the goal of socio-economic justice. 30

(b) In normal conditions, the Governor is a constitutional executive but in case of constitutional crisis, he can become a powerful and effective executive. Discuss. 30

7. Critically examine and comment on the assertions given below in about *200* words each : 20×3=60

(a) It is not constitutional law but political factors that ultimately determine Centre-States relations in India.

(b) Indian politics has influenced caste and caste has influenced Indian politics.

(c) Secularism in Indian politics is a myth.

खण्ड—ख

5. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिये, जो प्रत्येक लगभग *150* शब्दों में हो : 15×4=60

(क) भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन का दलित परिप्रेक्ष्य

(ख) सविनय अवज्ञा आन्दोलन का महत्त्व

(ग) अनुसूचित जातियों के लिये राष्ट्रीय आयोग की भूमिका

(घ) भारतीय राजनीति में दबाव समूह के रूप में श्रमिक संघ

6. (क) सामाजिक-आर्थिक न्याय की प्राप्ति में राज्य के नीति निदेशक सिद्धान्तों की महत्ता का परीक्षण कीजिये। 30

(ख) सामान्य परिस्थिति में राज्यपाल एक सांविधानिक कार्यपालक के रूप में कार्य करता है किन्तु संवैधानिक संकट की स्थिति में वह एक शक्तिशाली और प्रभावी कार्यपालक हो सकता है। विवेचन कीजिये। 30

7. निम्नलिखित दृढ़कथनों का लगभग *200* शब्दों में समालोचनात्मक रूप से परीक्षण कीजिये और उन पर टिप्पणियाँ लिखिये : 20×3=60

(क) अन्ततः सांविधानिक कानून के स्थान पर राजनीतिक कारक भारत में केन्द्र-राज्य सम्बन्धों का निर्धारण करते हैं।

(ख) भारतीय राजनीति ने जाति को प्रभावित किया है और जाति ने भारतीय राजनीति को।

(ग) भारतीय राजनीति में पन्थ-निरपेक्षता एक मिथक है।

8. *(a)* Make an assessment of the role of the Election Commission of India in the conduct of free and fair elections. 30

(b) Examine the changing pattern of electoral behaviour in India. 30

8. (क) स्वतंत्र और निष्पक्ष निर्वाचनों के सम्पादन में भारतीय निर्वाचन आयोग की भूमिका का मूल्यांकन कीजिये। 30

(ख) भारत में मतदान व्यवहार के बदलते स्वरूप का परीक्षण कीजिये। 30

★ ★ ★

B–DTN–L–JSA

राजनीति विज्ञान तथा अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

प्रश्न-पत्र—I

समय : तीन घण्टे	पूर्णांक : 300

अनुदेश

प्रत्येक प्रश्न हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपा है।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर-पुस्तक के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्रवेश-पत्र पर उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

*प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं। बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

प्रत्येक प्रश्न के लिए नियत अंक प्रश्न के अंत में दिए गए हैं।

Note : English version of the Instructions is printed on the front cover of this question paper.

C. S. (Main) Exam : 2011

Sl. No.

B–DTN–L–JSB

POLITICAL SCIENCE AND INTERNATIONAL RELATIONS

Paper—II

Time Allowed : Three Hours	Maximum Marks : 300

INSTRUCTIONS

Each question is printed both in Hindi and in English.

Answers must be written in the medium specified in the Admission Certificate issued to you, which must be stated clearly on the cover of the answer-book in the space provided for the purpose. No marks will be given for the answers written in a medium other than that specified in the Admission Certificate.

Candidates should attempt Question Nos. ***1*** *and* ***5*** *which are compulsory, and any* ***three*** *of the remaining questions selecting at least* ***one*** *question from each Section.*

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

ध्यान दें : अनुदेशों का हिन्दी रूपान्तर इस प्रश्न-पत्र के पिछले पृष्ठ पर छपा है।

Section—A

1. Answer the following in about *200* words each : 20×3=60

(a) "Either terrorism triumphs or civilization triumphs."

Comment on the above statement. 20

(b) What is 'New Social Movement (NSM)'? Explain the main challenges of the NSM in the developing countries. 8+12=20

(c) Examine the nature and dynamics of contemporary globalization. 20

2. (a) What is comprehensive approach to national security? 20

(b) Do you agree with the view that over-widening of the concept of 'national security' has made it a more amorphous concept? Discuss. 40

3. (a) "Structural-functional approach to political analysis focusses more on status quoism, and less on change." Elucidate. 30

(b) Explain the uses of systems approach in international relations and examine the relevance of Kaplan's system analysis. 10+20=30

खण्ड—क

1. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए, जो प्रत्येक लगभग *200* शब्दों में हो : 20×3=60

(क) "या आतंकवाद विजय प्राप्त करता है, या सभ्यता विजय प्राप्त करती है।"
उपरोक्त कथन पर टिप्पणी कीजिए। 20

(ख) 'नव सामाजिक आंदोलन (एन० एस० एम०)' क्या है? विकासशील देशों में एन० एस० एम० की मुख्य चुनौतियों को स्पष्ट कीजिए। 8+12=20

(ग) समकालीन वैश्वीकरण की प्रकृति और गतिकी का परीक्षण कीजिए। 20

2. (क) राष्ट्रीय सुरक्षा का सर्वसमावेशी उपागम क्या है? 20

(ख) क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि 'राष्ट्रीय सुरक्षा' की संकल्पना के अति-विस्तारण ने उसको अपेक्षाकृत एक अधिक आकारहीन संकल्पना बना दिया है? चर्चा कीजिए। 40

3. (क) "राजनीतिक विश्लेषण के संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक उपागम का फोकस यथापूर्व-स्थितिता पर अधिक और परिवर्तन पर अपेक्षाकृत कम रहा करता है।" सुस्पष्ट कीजिए। 30

(ख) अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में तंत्र उपागम के उपयोगों को स्पष्ट कीजिए और कैपलन के तंत्र विश्लेषण की प्रासंगिकता का परीक्षण कीजिए। 10+20=30

4. *(a)* How far the efforts to maintain international order in the post-Cold War period by the UN have been successful? 30

(b) What are the major impediments to UN Security Council reform? 30

Section—B

5. Answer the following in about *200* words each : 20×3=60

(a) Explain the role of the Parliament in the shaping of 123 Agreement between India and the US on Civil-nuclear Cooperation.

(b) Do you think that India should sign a treaty with China on water-sharing of Brahmaputra river, similar to what she did with Nepal and other neighbouring states?

(c) "While India opposes NPT as discriminatory, it opposes CTBT on the ground of ineffectiveness." Comment.

6. Explain the following statements and elucidate their implications : 30+30=60

(a) "India's policy of non-alignment was based on both idealist and realist calculations."

(b) "India's policy in post-Cold War era is tilted towards pragmatism and wisdom."

4. (क) संयुक्त राष्ट्र द्वारा शीत-युद्धोत्तर अवधि के दौरान अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था बनाए रखने के प्रयास किस सीमा तक सफल रहे हैं? 30

(ख) संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् के सुधार में क्या-क्या प्रमुख बाधाएँ हैं? 30

खण्ड—ख

5. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए, जो प्रत्येक लगभग *200* शब्दों में हो : 20×3=60

(क) सिविल-नाभिकीय सहयोग पर भारत और यू० एस० के बीच 123 करार को स्वरूप प्रदान करने में संसद् की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

(ख) भारत ने नेपाल और अन्य पड़ोसी राज्यों के साथ जल-विभाजन की जिस प्रकार की संधि पर हस्ताक्षर किए हैं, क्या आपके विचार में भारत को ब्रह्मपुत्र नदी के जल-विभाजन पर चीन के साथ भी उसी के समान संधि पर हस्ताक्षर करने चाहिए?

(ग) "जबकि भारत प्रसारनिरोध संधि (एन० पी० टी०) का भेदमूलक होने के नाते विरोध करता है, वह व्यापक परीक्षण प्रतिबंध संधि (सी० टी० बी० टी०) का निष्प्रभाविता के आधार पर विरोध करता है।" टिप्पणी कीजिए।

6. निम्नलिखित कथनों को स्पष्ट कीजिए और उनके निहितार्थों की व्याख्या कीजिए : 30+30=60

(क) "भारत की निर्गुटता की नीति आदर्शवादी और यथार्थवादी दोनों ही गणनाओं पर आधारित थी।"

(ख) "शीत-युद्धोत्तर काल में भारत की नीति व्यावहारिकता और बुद्धिमानी की ओर झुकी हुई है।"

7. *(a)* Explain the major flaws in India's 'Look East Policy'. Is it possible to steer and implement the policy successfully in view of China's emergence as a high-tech power in Asia-Pacific? 20+10=30

(b) To what extent is multi-lateralism a reality with regard to India's 'constructive strategic partnership' with Central Asian states? 30

8. *(a)* Explain the impact of coalition politics on India's Foreign Policy since late 1990's. 30

(b) Discuss the implications of ethnicity and nation-building in South Asia, and their impact in the relations of states within South Asia. 30

7. (क) भारत की 'पूर्व की ओर देखो नीति' की प्रमुख त्रुटियों को स्पष्ट कीजिए। एशिया-प्रशांत में उच्च-तकनीक शक्ति के रूप में चीन के आविर्भाव को देखते हुए, क्या इस नीति का सफलतापूर्वक संचालन और कार्यान्वयन संभव है? 20+10=30

(ख) केन्द्रीय एशियाई राज्यों के साथ भारत की 'संरचनात्मक सामरिक भागीदारी' के सम्बन्ध में बहुपक्षीयता किस सीमा तक एक वास्तविकता है? 30

8. (क) 1990 के दशक के उत्तरार्ध से भारत की विदेश नीति पर गठबंधन राजनीति के प्रभाव को स्पष्ट कीजिए। 30

(ख) दक्षिण एशिया में नृजातीयता और राष्ट्र-निर्माण के निहितार्थों पर और दक्षिण एशिया के भीतर के राज्यों के सम्बन्धों पर उनके प्रभाव पर चर्चा कीजिए। 30

★★★

राजनीति विज्ञान तथा अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

प्रश्न-पत्र—II

समय : तीन घण्टे

पूर्णांक : 300

अनुदेश

प्रत्येक प्रश्न हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपा है।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर-पुस्तक के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्रवेश-पत्र पर उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

*प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं। बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

प्रत्येक प्रश्न के लिए नियत अंक प्रश्न के अंत में दिए गए हैं।

Note : English version of the Instructions is printed on the front cover of this question paper.